

>

Title: Need to drill borewells and install treatment plants in Nawada Parliamentary Constituency, Bihar to provide potable water to the people.

डॉ. भोला सिंह (नवादा): अध्यक्ष महोदया, मैं आसन के प्रति आभार प्रकट करता हूँ। मैं बिहार के नवादा संसदीय क्षेत्र से आता हूँ। नवादा संसदीय क्षेत्र में बरबिग्या विधान सभा क्षेत्र में दो ग्राम पंचायतें हैं, एक का नाम हथियामा है और दूसरे का नाम कारे है। दोनों ग्राम पंचायतों में करीब 15 ऐसे गांव हैं, जहां दलित हैं, महादलित हैं, अति पिछड़े हैं, पिछड़े हैं, कमजोर वर्ग के लोग रहते हैं। 62 वर्षों की आजादी के बाद भी उनके पास पेयजल का कोई श्रोत नहीं है। इन्हें तीन-तीन किलोमीटर दूर से पानी लाना पड़ता है। अगर उनको पानी नहीं मिलता है, तो बगल में कहीं अगर बरसाती नदी है, तो उसके गंदे पानी को लेकर उसे पीते हैं।

मैंडम, मैं वहां गया था। उनकी स्थिति को देखकर मैं परेशान हुआ। नारी और बच्चों को स्नान किए हुए महीनों हो जाते हैं, लेकिन किसी ने आज तक उनके आंसू को पोछने का काम नहीं किया। उनके लिए शबनम की बूंद भी एक दरिया लगती है। मैंडम, हम चाहते हैं कि आपके स्तर से केंद्रीय सरकार उनकी इस बदनसीबी की हालत को देखे। आज वे अपने घर में एक बंदी का जीवन व्यतीत कर रहे हैं। उनका संपूर्ण जीवन तनावपूर्ण है। उनके बच्चे पढ़ नहीं सकते हैं। वे बीमारी से ग्रसित हैं। 12 गांव इस तरह से वहां स्थित हैं, जिनकी आबादी 25 हजार है। मैंडम, हम केंद्र सरकार से आग्रह करते हैं कि वे बदनसीब जो भारत के नागरिक हैं, सम्मानित नागरिक हैं, संसदीय जनतंत्र में जो नागरिक हैं, जो लोग हैं, वे देवता कहलाते हैं। हम मंदिरों के देवता की उपेक्षा नहीं करते। मस्जिदों में जो खुदा है, हम उनको नहीं जानते, लेकिन जो झोपड़ी में रहते हैं, मिट्टी के घरों में रहते हैं, ईंट के घरों में रहते हैं, संसदीय जनतंत्र में वही हमारा देवता है, वही हमारा ईश्वर है।

मैंडम, आज उनकी हालत इतनी खराब है कि मैं कुछ नहीं कह सकता। इसलिए हम केंद्र सरकार से आग्रह करते हैं कि कोई बड़ी मशीन वहां ले जाकर, जो जलाशय है, उसके तीन किलोमीटर पर, ट्रीटमेंट प्लांट लगाकर, पानी को शुद्ध करके, इन गरीबों को, बदनसीबों को जो बाध्य होकर गंदे पानी को पीते हैं। मैं उनको कह रहा हूँ कि वे बदनसीब हैं। किसी ने उनकी ओर आंख उठाकर नहीं देखा। आप जिस संस्कृति से ताल्लुक रखती हैं, वह संस्कृति संवेदनशीलता से भरी हुई है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि सरकार इस दिशा में कोई कार्यवाही करे ताकि उस क्षेत्र का प्रतिनिधि होने के नाते मैं भी सिर उठाकर चल सकूँ।